भारत सरकार

जनजातीय कार्य मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न नं. *548

उत्तर देने की तारीख 02.04.2026

आंध्र प्रदेश में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय

+*548 डॉ. गुम्मा तनुजा रानी :

क्या **जनजातीय कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आंध्र प्रदेश में स्थापित किए गए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों की संख्या जिला-वार कितनी है;

(ख) इन विद्यालयों में नामांकित विद्यार्थियों की कुल संख्या जिला-वार कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कोई उपाय किए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के बने रहने तथा उनके पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर और समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

जनजातीय कार्य मंत्री
(श्री जुएल ओराम)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

डॉ. गुम्मा तनुजा रानी द्वारा "आंध्र प्रदेश में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय" के संबंध में दिनांक 02.04.2026 को उत्तर के लिए उठाए गए लोकसभा के तारांकित प्रश्न सं. *548 के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क और ख): आंध्र प्रदेश राज्य में, 28 ईएमआरएस स्वीकृत किए गए हैं और सभी क्रियाशील हैं। ज़िला-वार ब्यौरे नीचे दिए गए हैं-

क्र.सं.	जिले का नाम	स्वीकृत ईएमआरएस की संख्या	क्रियाशील ईएमआरएस की संख्या	नामांकित छात्रों की संख्या (2025-26)
1	अल्लूरी सीताराम राजू	17	17	6300
2	एलुरु	1	1	445
3	मन्यम पार्वतीपुरम	5	5	1936
4	प्रकाशम	1	1	402
5	एसपीएस नेल्लोर	1	1	430
6	श्रीकाकुलम	1	1	422
7	तिरुपति	2	2	775
	कुल	**28**	**28**	**10710**

(ग और घ) : एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) अनुसूचित जनजाति (अजजा) के बच्चों को उनके अपने सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के उद्देश्य से स्थापित किए गए हैं। सभी नए ईएमआरएस कक्षा VI से XII तक के 480 विद्यार्थियों की क्षमता के साथ 15 एकड़ क्षेत्र में फैले हुए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आधुनिक डिजाइन वाले परिसर हैं, जिसमें लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग छात्रावास, एकीकृत भोजन और रसोई सुविधाएं, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए आवास, अच्छी हवादार कक्षाएँ, अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और शैक्षणिक शिक्षा में सहायता के लिए पुस्तकालय शामिल हैं।

12वीं कक्षा तक के 480 छात्रों की पूर्ण संख्या वाले ईएमआरएस के लिए प्रति ईएमआरएस 31 शिक्षण पद और 21 गैर-शिक्षण पद स्वीकृत किए गए हैं। आज की तारीख तक 499 ईएमआरएस विभिन्न स्तर की कार्यात्मक कक्षाओं के साथ कार्यशील हैं। भर्ती चरणबद्ध तरीके से की गई है। राष्ट्रीय आदिवासी छात्र शिक्षा समिति (एनईएसटीएस) ने ईएसएसई-2023 के माध्यम से 10391 पदों पर सीधी भर्ती का पहला चरण पूरा कर लिया है और चयनित कर्मचारियों को आंध्र प्रदेश समेत देश भर के विभिन्न ईएमआरएस में तैनात किया गया है। इसके अलावा, ईएसएसई-2025 के तहत 7267 शिक्षण और गैर-शिक्षण पदों के लिए भर्ती का दूसरा चरण शुरू किया गया है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकारों को सलाह दी गई है कि वे रिक्त पदों के सापेक्ष प्रतिनियुक्ति और स्थानीय नियोजन पर कर्मचारी नियोजित करें ताकि शैक्षणिक गतिविधियां बाधित न हों।

एनईएसटीएस, ईएमआरएस में छात्रों की स्कूल छोड़ने की दर पर बारीकी से निगरानी रख रहा है, जो पिछले कुछ वर्षों में न्यूनतम बनी हुई है। स्कूल छोड़ने की दर (ड्रॉपआउट दर) कम करने के लिए विभिन्न पहलें की गई हैं, जिनमें जागरूकता शिविर, शिक्षक का घर पर जाना (विजिट करना) और घर पर पीटीएम, कैरियर परामर्श, व्यवसायिक (पेशेवर) और कौशल प्रशिक्षण आदि शामिल हैं।

*****